



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 155]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 29, 1991/श्रावण 7, 1913

No. 155]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 29, 1991/SRAVANA 7, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1991

सं. एक. 4 (5)/डब्ल्यू एण्ड एम/91 :—10.50 प्रतिशत ऋण, 1996, 10.75 प्रतिशत ऋण, 2001, 11.25 प्रतिशत ऋण, 2006 और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2011 के लिए कुल 2000 करोड़ रुपये या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के वास्ते 5 अगस्त 1991 को बैकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में या भारत सरकार के 10.00 प्रतिशत ऋण, 1991/7.75 प्रतिशत ऋण, 1991/5-1/2 प्रतिशत ऋण, 1991/6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परकाय लिखत अधिनियम, 1981 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 5 अगस्त 1991 को छुट्टी घोषित किये जाने पर भ्रमसे कार्य बैकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आगामी कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 2000 करोड़ रूपयों से अधिक हो तो अभिदानों को आनुपातिक आधार पर नकदी में आंशिक

आवंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आवंटन किया जाता है तो आंशिक आवंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि छोटा दी जाएगी। इस प्रकार छोटाई गयी राशियों पर कोई ब्याज भ्रदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 5 अगस्त 1996 की सममूल्य पर प्रतिवेद्य 10.50 प्रतिशत ऋण, 1996

(i) वापसी भ्रदायगी की तारीख—ऋण 5 अगस्त 1996 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000 00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000 00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 अगस्त 1991 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। ब्याज छमाही आधार पर 5 फरवरी और 5 अगस्त को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन प्रायकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 5 अगस्त 2001 की सममूल्य पर प्रतिवेद्य 10.75 प्रतिशत ऋण, 2001

(i) वापसी भ्रदायगी की तारीख : ऋण 5 अगस्त 2001 की सममूल्य पर भ्रदा किया जायेगा।।

(ii) निर्गम मूल्य: प्रत्येक रु. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) ब्याज: इस ऋण की ब्याज दर 5 अगस्त 1991 से वार्षिक 10.75 प्रतिशत होगी। ब्याज छमाही आधार पर 5 फरवरी और 5 अगस्त को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 5 अगस्त 2006 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.25 प्रतिशत ऋण, 2006

(i) वापसी भ्रदायगी की तारीख—ऋण 5 अगस्त 2006 की सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 अगस्त 1991 से वार्षिक 11.25 प्रतिशत होगी। ब्याज छमाही आधार पर 5 फरवरी और 5 अगस्त को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

6. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 5 अगस्त 2011 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2011

(i) वापसी भ्रदायगी की तारीख—ऋण 5 अगस्त 2011 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 अगस्त 1991 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। ब्याज छमाही आधार पर 5 फरवरी और 5 अगस्त को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

7. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णांकित करने के बाव भ्रदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम से ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसों को अगले रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा।

#### परिवर्तन की शर्तें

8. 10.00 प्रतिशत ऋण, 1991, 7.75 प्रतिशत ऋण, 1991, 5-1/2 प्रतिशत ऋण, 1991 और 6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियां नये ऋणों में सममूल्य पर परिवर्तन के लिए स्वीकार की जायेंगी। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की गयीं उक्त ऋणों की ऐसी प्रतिभूतियों पर ब्याज संबंधित लाभांश दर अर्थात् 10.00%, 7.75%, 5.50 प्रतिशत और 6.75 प्रतिशत की दर पर क्रमशः 11 मई 1991, 14 जुलाई 1991, 17 जुलाई 1991 और 20 जुलाई 1991 तक और उसके सहित भ्रदा किया जायेगा। इसके अलावा, 83 दिनों (अर्थात्

12 मई 1991 से 1 अगस्त 1991 तक यदि 10.00 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियां परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाती हैं); 20 दिनों (अर्थात् 15 जुलाई 1991 से 4 अगस्त 1991 यदि 7.75 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियां परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाती हैं); 17 दिनों (अर्थात् 18 जुलाई 1991 से 4 अगस्त 1991 तक यदि 5-1/2 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियां परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाती हैं) और 14 दिनों (अर्थात् 21 जुलाई 1991 से 4 अगस्त 1991 तक यदि 6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियां परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाती हैं) के लिए नयी प्रतिभूतियां जारी करने संबंध, यथास्थिति, आवेदन नये ऋण की दर के अनुसार प्रत्याशित ब्याज भ्रदा किया जायेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएं

9. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, चंबई (फोंटे और भायवना), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय, और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों की छोड़कर भारत में जिसा मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखाएं।

10. ब्याज भ्रदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, चंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अथवा किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज भ्रदा किया किया जाएगा।

11. ब्याज भ्रदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी भ्रदायगी उन ऋणधारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज भ्रदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज भ्रदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

12. भ्रदा जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोचित निवेशों से मिलने वाली आय की वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

13. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

14. प्रतिभूतियाँ केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

15. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

16. आवेदनपत्र इनके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

17. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि या चेक के रूप में या 10.00 प्रतिगत ऋण, 1991/7.75 प्रतिगत ऋण, 1991 5-1/2 प्रतिगत ऋण, 1991/6.75 प्रतिगत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियों, जो परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जा रही हैं, के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्रादर्शित किये जाने चाहिए।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियाँ धारक द्वारा सरकार को निम्न प्रकार अंतरित की जानी चाहिए—

- (i) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हो तो प्रमाणपत्र के पीछे अंतरण बिलेख के फार्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करके।
- (ii) यदि बचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्न प्रकार से पृष्ठांकित किया जाए—

“भारत के राष्ट्रपति की अदा करें”

18. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गए प्रावंटनों पर तथा दस्तावेजों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी सुहृद्युक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये प्रावंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सार्केतिक) 6 पैसे की दर पर बहाली घटा की जायेगी। बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक—अपने स्वयं के अधिकांशों के लिए दस्तावेजों की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,  
श्रीमती ज्ञानकी कठवा लिया, अपर सचिव (बजट)

बलाल की मुहर और पता

## आवेदन का फार्म

मैं/हम\* \_\_\_\_\_ इसके साथ

(पूरा/पूरे नाम)

र. \_\_\_\_\_ ( \_\_\_\_\_ रुपये ) के लिए

नकदी\*

र. \_\_\_\_\_ ( \_\_\_\_\_ रुपये ) के सांकेतिक

चेक

मूल्य की 10.00 प्रतिशत ऋण 1991/7.75 प्रतिशत ऋण, 1991/5.50 प्रतिशत ऋण, 1991/6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियाँ प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें\* स्टॉक प्रमाण-पत्र मेरे/हमारे\*एस. जी. एल. खाते में जमा के रूप में र. \_\_\_\_\_ के सांकेतिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत ऋण, 1996\*/10.75 प्रतिशत ऋण, 2001\*/11.25 प्रतिशत ऋण, 2000/11.50 प्रतिशत ऋण, 2011\* की प्रतिभूतियाँ जारी की जाएं।

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज \_\_\_\_\_ में भरा किया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाते में आवेदक कुछ न लिखें।  
प्रतिभूतियाँ आवासा कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	अक्षर	दिनांक	
आवेदन पत्र सं.			हस्ताक्षर _____
"बलाली गद्दी" मुहर			पूरा (पूरे) नाम _____
नकदी प्राप्त होने की तारीख			पता _____
चेक बसूल होने की तारीख			
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख			
जोष की गयी			दिनांक : अगस्त 1991
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया			
बलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया			
योग पत्र सं.			
प्रतिभूति सं.			
काई सं.			
वाउचर पारित करने की तारीख			

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियाँ : 1. परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियाँ यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक/की के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पृष्ठांकित किया जाए—“भारत के राष्ट्रपति को दिया करें” और यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिये गये प्रवरण चिह्न पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करे/करें।

2. प्रत्येक ऋण, अपेक्षित नये ऋण के अधिमान के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
3. यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निगान के रूप में ही तो दा व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
4. यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निम्न आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं :—
  - (i) नियमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
  - (ii) कंपनी/निकाय के बहिनियमों और अंतनियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
  - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि उनके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
5. आवेदकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टाफ प्रमाणपत्र/पत्रों पर छायाही व्याज के प्रेषण के लिए प्रावेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपपद्य) भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 29th July, 1991

No. F. 4(5) W&M, 91.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent Loan, 1996, 10.75 per cent Loan, 2001, 11.25 per cent Loan, 2006 and 11.50 per cent Loan, 2011 for an aggregate amount of Rs. 2000 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash and/or securities of Government of India 10.00 per cent Loan, 1991|7.75 per cent Loan, 1991|5-1/2 per cent Loan, 1991|6.75 per cent Loan, 1991 on the 5th August 1991 upto the close of banking hours. In the event of 5th August 1991 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the Next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 2000 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment, No. interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent Loan, 1996 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 5th August 1996.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 5th August 1996.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 5th August 1991. Interest will be paid half-yearly on 5th February and 5th August. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 10.75 per cent Loan, 2001.—Issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 5th August 2001.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 5th August 2001.
- (ii) Issue price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.75 per cent per annum from 5th August 1991. Interest will be paid half-yearly on 5th February and 5th August. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.25 per cent Loan, 2006.—Issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 5th August 2006.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 5th August 2006.

(ii) Issue Price.—The Loan will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.25 per cent per annum from 5th August 1991. Interest will be paid half-yearly on 5th February and 5th August. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. 11.50 per cent Loan, 2011.—Issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 5th August 2011.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 5th August 2011.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 5th August 1991. Interest will be paid half-yearly on 5th February and 5th August. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

7. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

## CONVERSION TERMS

8. The Securities of 10.00 per cent Loan, 1991 7.75 per cent Loan, 1991, 5-1/2 per cent Loan, 1991 and 6.75 per cent Loan, 1991 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on such securities of the said loans tendered for conversion will be paid at the relative coupon rate i.e. 10.00 per cent, 7.75 per cent, 5.50 per cent and 6.75 per cent upto and inclusive of 11th May 1991, 14th July 1991, respectively. In addition, anticipatory interest for 83 days (i.e. from 12th May 1991 to 4th August 1991 if the securities of 10.00 per cent Loan, 1991 are tendered for conversion), 20 days (i.e. from 15th July 1991 to 4th August 1991 if the securities of 7.75 per cent Loan, 1991 are tendered for conversion), 17 days (i.e. from 18th July 1991 to 4th August 1991 if the securities of 5-1/2 per cent Loan, 1991 are tendered for conversion) and 14 days (i.e. from 21st July 1991 to 4th August 1991 if the securities of 6.75 per cent Loan, 1991 are tendered for conversion), will be paid according to the rate of interest of the new loan applied for as the case may be, at the time of issue of new securities.

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

9. Applications will be received at :

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras,



Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram;

- (b) Main branches of the State Bank of India at DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

10. Place of payment of interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

11. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on an application, a certificate from the Income tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

12. Interest on the Loans now issued together with interest on the previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

13. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other

investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

14. The Securities will be issued in the form of stock only.

15. Applications for the Loans.—Applications for the Loans must be for Rs. 1,000 or A Multiple of that sum.

16. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the application and the office at which he desires the interest to be paid.

17. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque and/or securities of the 10.00 per cent Loan, 1991/7.75 per cent Loan, 1991/5-1/2 per cent Loan, 1991/6.75 per cent Loan, 1991 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government :—

- (i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.
- (ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :  
“Pay to the President of India”.

18. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,  
MRS. JANAKI KATHPALIA, Addl. Secy. (Budget)

BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

## FORM OF APPLICATION

I/We\* .....  
 (Full Name(s) in Block Letters)

.....herewith  
 tender \*Cash Rs. .... (Rupees.....)

Cheque for

\*Securities of 10.00 per cent. Loan, 1991/7.75 per cent. Loan, 1991/5.50 per cent. Loan, 1991/6.75 per cent. Loan 1991 of the nominal value of Rs. .... (Rupees.....)  
 and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1996\*/10.75 per cent. Loan, 2001\*/11.25 per cent. Loan, 2006\*/11.50 per cent. Loan, 2011\* of the nominal value of Rs. .... may be issued to me/us\* in the form of \* Stock Certificate/Credit to my/our\* S.G.L. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Officer

	Initials	Date
Application No. ....		
N.B. Stamp		
Cash received on		
Cheque realised on		
Credited to Special Current Account on.....		
Examined.....		
Cash Applications Register posted		
Brokerage Register posted		
Indent No.....		
Scrip No.....		
Card No.....		
Voucher passed on .....		

Signature(s) .....  
 Name(s) in full .....  
 (Block letters)

Address .....

Dated the .....  
 of August 1991.

\*Delete what is not required

- Notes : (1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.
- (2) Separate applications should be made for each Loan, and each form of subscription of the New Loan required.
- (3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:
- Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the ~~issuing~~ authority under his office seal.
  - Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-Laws of the company/body.
  - Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (5) Applications should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on stock certificate/s issued to them.